

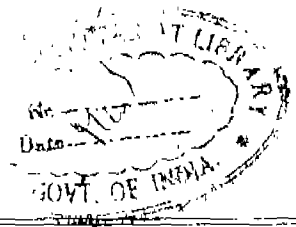


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 118]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 23, 1996/फाल्गुन 4, 1917

No. 118]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 23, 1996/ PHALGUNA 4, 1917

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1996

का०आ० 146(अ).— भारतीय न्याय अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूतियों के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई नामक निगम द्वारा जारी किए जाने वाले 500 करोड़ रुपये के कुल मूल्य के, 500 करोड़ रुपये के और बांड रखने के विकल्प सहित, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक फ्लेक्सी बांडों को जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

- (i) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अत्यधिक बढ़ा बांड;
- (ii) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक सरल निर्गम बांड;
- (iii) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक नियमित आय बांड;
- (iv) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक सेवानिवृत्ति बांड;

अप्रतिभूत मोचनीय बांड के रूप में प्राधिकृत करती है।

[फा० सं० 6(20)/सी० एम०/95]

यू० शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd February, 1996

S.O. 146 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the IDBI Flexibonds comprising :

- (i) IDBI Deep Discount Bonds;
- (ii) IDBI Easy Exit Bonds;
- (iii) IDBI Regular Income Bonds;
- (iv) IDBI Retirement Bonds;

being unsecured redeemable bonds of the aggregate value of Rs. 500 crores, with the option to retain additional Rs. 500 crores, to be issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay, a corporation established under Section 3 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) as securities for the purposes of the said section.

[F. No. 6(20)/CM/95]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.